ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 03 दिसम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 270

एक्सक्लूसिव : इलेक्ट्रिक इंजन से रेलगाड़ियां दौड़ने को तैयार

"दिल्ली के करंट" वाली हरी झंडी का इंतजार , दक्षिण से सीधा जुड़ाव इसी महीने

- उदयपुर से हिम्मतनगर ब्रॉडगेज रेलमार्ग का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण -

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। उदयपुर के दक्षिण भारत के बड़े शहरों से सीधी रेलसेवा के सपने पूरे होने का इंतजार अब पूर्ण होने को है। उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा उदयपुर से हिम्मतनगर ब्रॉडगेज रेलमार्ग का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि नए साल में उदयपुर का दक्षिण से सीधे जुड़ने का सपना साकार हो जाए। उल्लेखनीय है कि हिम्मतनगर से अहमदाबाद के असारवा तक हाल ही पश्चिम रेलवे द्वारा विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कर उक्त सेक्शन पर सीआरएस जांच भी करवा ली गई है। वहीं उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा उदयपुर से श्यामलाजी तक कुछ माह पूर्व विद्युतीकरण पूर्ण करवा सीआरएस स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है, शेष खंड श्यामलाजी से हिम्मतनगर का कार्य भी हाल ही पूर्ण कर लिया गया है जिसका सीआरएस निरीक्षण इसी माह प्रस्तावित है। यह ठीक समय पर हो जाता है तो नए साल में इस रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन रेलगाड़ियां खीचेंगे, बता दें कि उदयपुर-अहमदाबाद रेलमार्ग इलेक्ट्रिफाइड ना होने के चलते उक्त रेलमार्ग पर उदयपुर-मुम्बई समेत दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली लंबी दूरी की रेलगाड़ियां अब तक शुरू नहीं की जा सकी है।



इन गाड़ियों की है उम्मीद, नए साल में मिलेंगी

इस समय उक्त रूट पर जयपुर-असारवा सुपरफास्ट, इंदौर-असारवा वीरभूमि एक्सप्रेस, उदयपुर-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, कोटा - असारवा साप्ताहिक एक्सप्रेस, चित्तौड़-असारवा डेमू पैसेंजर संचालित है। अब नए साल में उम्मीद जताई जा रही है कि उक्त रुट पर कई नई रेलगाड़ियां संचालित की जाएंगी, विशेष रूप से उदयपुर - बांद्रा , उदयपुर - सिकंदराबाद , उदयपुर -पुणे, उदयपुर - चेन्नई आदि नई रेलगाड़ियों के संचालन की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं अहमदाबाद तक आ रही गुजरात मेल एवं प्रेरणा एक्सप्रेस के उदयपुर तक विस्तार की भी उम्मीद जताई जा रही है। इन सभी गाड़ियों के संचालन से क्षेत्र के आमजन को लाभ होगा एवं पर्यटन उद्योग को पंख लगेंगे।

इसी महीने पूरा हो जाएगा काम

"उदयपुर-हिम्मतनगर रेलखंड का विद्युतीकरण कार्य 194.30 करोड रूपये की लागत के साथ स्वीकृत किया गया है। उदयपुर-बिच्छीवाडा 140 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो गया है तथा बिच्छीवाडा-हिम्मतनगर 70 किलोमीटर रेलखंड का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।"



कैप्टन शशिकिरण सीपीआरओ उत्तर पश्चिम रेलवे

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की सुनवाई से CJI हटे:नई बेंच 6 जनवरी से सुनवाई करेगी; CJI को पैनल से हटाने पर कांग्रेस ने याचिका लगाई



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और चुनाव आयुक्त (EC) की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले की सुनवाई 6 जनवरी से शुरू होगी और इसके लिए नई बेंच का गठन किया जाएगा।

2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि CEC और EC की नियुक्ति तीन सदस्यीय पैनल की तरफ से की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय बेंच ने यह फैसला सुनाया था। इसमें CJI संजीव खन्ना भी शामिल थे, तब वे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस थे। हालांकि 21 दिसंबर 2023 को सरकार ने एक नया विधेयक पारित किया, जिसमें चीफ जस्टिस को पैनल से हटा दिया गया और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया। इसे प्रधानमंत्री चुनेंगे।

केंद्र सरकार के इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने याचिका दायर की है। इस विवाद के बावजूद केंद्र ने ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया था।

2 मार्च 2023: सुप्रीम कोर्ट का फैसला- सिलेक्शन पैनल में CJI को शामिल करना जरूरी

CEC और EC की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और CJI भी शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी।

यह कमेटी CEC और EC के नामों की सिफारिश राष्ट्रपति से करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। तब जाकर उनकी नियुक्ति हो पाएगी।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती।

हसीना बोली- मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यकों पर हमलों के जिम्मेदार:जनसंहार नहीं चाहती थी इसलिए देश छोड़ा; ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया



24 न्यूज अपडेट

ढाका.बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं का जिम्मेदार अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बताया है। न्यूयॉर्क के एक सेमिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए हसीना ने कहा-

"बांग्लादेश में सामूहिक हत्याओं का जिम्मेदार मुझे बताया जा रहा है लेकिन हकीकत में मुहम्मद यूनुस हैं जो छात्र नेताओं के साथ मिले हुए हैं और सामूहिक हत्याओं में शामिल हैं। बांग्लादेश में टीचर, पुलिस पर हमले हो रहे हैं, वे मारे जा रहे हैं। हिंदू, बौद्ध और ईसाईयों को टारगेट किया जा रहा है। हसीना ने कहा, यूनुस सरकार के लोग ही सामुहिक हत्याओं के मास्टरमाइंड हैं। यहां तक कि लंदन से तारिक रहमान (खालिदा जिया के बेटे) ने भी कहा है कि अगर मौतें जारी रहीं, तो सरकार नहीं चलेगी।"

उन्होंने मैं जनसंहार नहीं चाहती थी, इसीलिए देश छोड़ने का फैसला किया।

दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को समन किया है। दरअसल सोमवार को अगरत्तला में बांग्लादेश मिशन पर हमला हुआ था, इस पर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई थी। इस मामले पर आज शाम 4 बजे बांग्लादेश के विदेश सचिव रियाज हमिदुल्लाह ने प्रणय वर्मा से मुलाकात की। वर्मा ने मीटिंग के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा, भारत-बांग्लादेश के संबंध बहुआयामी हैं, इन्हें एक मुद्दे या एजेंडा तक सीमित नहीं कर देना चाहिए।

गडकरी बोले- राजनीति अतृप्त आत्माओं का महासागर:यहां हर व्यक्ति दुखी; सबको अपने पद से ऊंचे पद की लालसा



24 न्यूज अपडेट

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति अतृप्त आत्माओं का एक सागर है, जहां हर व्यक्ति उदास है और अपनी मौजूदा पोजिशन से ऊंची पोस्ट की उम्मीद लगाए बैठा है। रविवार को नागपुर में किताब '50 रूल्स ऑफ गोल्डन लाइफ' के लॉन्च के दौरान उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिंदगी समझौतों, मजबूरियों, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है। इंसान चाहे परिवार के बीच हो, समाज में हो, राजनीति में या कॉर्पोरेट जीवन में, जिंदगी चुनौतियों और परेशानियों से भरी रहती है। व्यक्ति को इनका सामना करने के लिए 'आर्ट ऑफ लिविंग' सीखना चाहिए।

गडकरी बोले- मुख्यमंत्री को डर है कि उसे हाईकमान कब हटा दे

गडकरी ने हाल में राजस्थान के कार्यक्रम का जिक्र किया। यहां उन्होंने कहा था कि राजनीति अतृप्त आत्माओं का महासागर है। हर कोई यहां दुखी है। कॉर्पोरेटर उदास है, क्योंकि उसे MLA बनने का मौका नहीं मिला, MLA दुखी है क्योंकि उसे मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। जो मंत्री बन गया, वह दुखी है क्योंकि उसे अच्छा विभाग नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। और मुख्यमंत्री इस बात से परेशान है कि उसे नहीं पता हाईकमान कब उसे हटने को कह देगा। गडकरी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का कोट याद किया गडकरी ने कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की ऑटोबायोग्राफी का एक कोट याद रखते हैं, जो कहता है कि व्यक्ति के हार जाने से वह खत्म नहीं हो जाता, वह तब खत्म होता है जब वह खुद हार मान लेता है।

आयड़ नदी में प्रदूषण कितना, ये केंद्र सरकार तक को नहीं पता, सीवेज प्लांट का पानी जहरीले पानी संग बहाने की महामूर्खता कर रहे हैं हमारे कर्णधार!!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। अगर आप उदयपुर शहर के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हैं तो आपके लिए चिंताजनक खबर है कि केंद्र सरकार के पास आयड़ नदी के पानी में मिले जहर का कोई आंकड़ा नहीं है। यही नहीं नदी में जो जहरीला पानी बह रहा है उसके एक चौथाई को बिना फिल्टर किए बहने दिया जा रहा है इसकी उसे खबर तो है मगर कोई एक्शन प्लान नहीं है। उससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि आयड़ नदी में कुल चार जगहों पर जनता के खून पसीने की कमाई को खर्च करके पानी छानने के प्लांट लगे हैं। इनमें से दो का पानी सीधा जिंक के पास जा रहा है तो बाकी बचे दो सीवेज का छाना हुआ पानी फिर से गंदे पानी में मिलाकर आयड़ में बहाने का मूर्खतापूर्ण काम हो रहा है। ये बिल्कुल वैसा ही है जैसे टंकी का पानी आरओ से छान लो और आधी ग्लास पीने के बाद उसमें टंकी के पानी में आरओ का पानी मिला कर पीने को दे दो। बड़ा सवाल उठ रहा है कि जब गंदे पानी के साथ उपचारित पानी बहाना ही है तो फिर छानने की नौटंकी क्यों हो रही है। जनता का पैसा बर्बाद क्यों किया जा रहा है। इसके अलावा शहर में सप्लाई हो रहे पीने के पानी का 40 परसेंट अभी चोरी हो रहा है अगर इस पर भी लगाम लगा दी जाए तो कई कॉलोनियों में पानी का संकट खत्म हो जाएगा। इस बारे में कौन, कब, कैसे बात करेगा। क्योंकि गूंगी जनता गहरी नींद में सोई है। लोगों को खुद के काम से ही फुर्सत नहीं हैं। और इसी का लाभ उठाते हुए आयड़ नदी की सुनियोजित तरीके से हत्या की जा रही है। नेताओं और अफसरों का तो एक ही मंत्र है-हम एक रहेंगे, सेफ रहेंगे। जहां भी काम चलेगा हमारे हिस्से के भी कुछ कटेंगे, कुछ बंटेंगे। 75 करोड़ के आयड़ के सौंदर्यीकरण के काम में उनको अपनी आर्थिक तरक्की हरे-हरे खेत नजर आ रहे हैं तो प्रदूषण पर बात करके क्यों मगजपच्ची करना।

पानी में जहर का कोई हिसाब-किताब नहीं



बहरहाल, भारत सरकार के पास आयड़ नदी में प्रदूषण को नापने का कोई भी आंकडा उपलब्ध नहीं है। ना ही ऐसा कोई प्रयास किया गया है। जल शक्ति मंत्री बीसियों बार उदयपुर आ चुके हैं, उनका खूब स्वागत सत्कार हो चुका है लेकिन कभी किसी जन प्रतिनिधि ने उनसे यह नहीं पूछा कि भाई साहब आप आयड़ झील के प्रदूषण की जांच अपने मंत्रालय से क्यों नहीं करवा रहे हैं। आप 30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) में 603 नदियों की निगरानी करवा रहे हैं उनकी जांच में 279 नदियों पर 311 नदी खंड प्रदूषित होना बता रहे हैं तो हमारी छोटी सी आयड़ नदी की भी जांच करवा लीजिए। ऐसा नहीं होना चौंकाने वाली बात है। आयड नदी के प्रदूषण का कोई भी आंकडा केंद्र सरकार के पास नहीं है। तथ्य नहीं है तो आयड़ के जहर पर चर्चा होना भी अंसभव है। जबकि हर बार बारिश का पानी आते ही यही नेता और अफसर जल पूजन को दौड़े चले जाते हैं। आयड़ को भाषणों में वेनिस बनाने का ख्वाब पारोसते हैं लेकिन इस पर चर्चा नहीं करते किए प्रदूषित जल यहां की आबादी के खून में जहर भरने का काम कर रहा है।

लोकसभा में पूछा प्रदूषण पर सवाल



आयड़ नदी के प्रदूषण याने जहर के बारे में भारत के सरकार जल शक्ति मंत्रालय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग को जानकारी नहीं होने की जानकारी लोक सभा में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत के एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में सामने आई है। रावत ने पूछा कि क्या आयड नदी में प्रदूषित जल और औद्योगिक अपशिष्ट प्रवाहित किए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप राजस्थान के उदयपुर में स्थित उदय सागर झील प्रदूषित हो रही है। साथ ही यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। उठाए जा रहे हैं; और उक्त प्रयोजनार्थ कितनी निधि आवंटित की गई है? इस सवाल का जवाब भी काफी जलेबीनुमा मिला है। जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी ने जवाब में कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की प्रदूषित नदी खंड (पीआरएस) पर आधारित रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) में 603 नदियों की निगरानी की गई और 279 नदियों पर 311 नदी खंड प्रदूषित पाए गए। हालाँकि, आयड नदी इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, अनुपचारित/आंशिक रूप से उपचारित/पूर्णतः उपचारित घरेलू सीवेज को आयड नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। पहले पानी साफ करते हैं फिर उसको गंदे पानी के साथ छोड़ देते हैं आयड़ नदी में बहने वाले गंदे पानी के उपचार के लिए चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए हैं। सामान्य भाषा में समझें तो ऐसे फिल्टर लगाए हैं जिनसे कुछ हद तक गंदगी छंटकर हटा दी जाती है। लेकिन यह पानी पीने के लायक नहीं होता है। इसे सिंचाई में काम में ले सकते हैं। बताया गया कि 20 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी), 25 एमएलडी, 10 एमएलडी और 5 एमएलडी क्षमता वाले चार सामान्य सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीएसटीपी) उदयपुर की आयड़ नदी में एकलिंगपुरा कलड़वास, उदय सागर रोड, एफसीआई गोदाम के पास और करजाली हाउस में स्थापित किए गए हैं। जिनमें से 20 एमएलडी और 25 एमएलडी क्षमता वाले 2 सीएसटीपी के उपचारित जल का उपयोग राजपुरा दरीबा स्मेल्टर कॉम्प्लेक्स में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) इकाई द्वारा किया जाता है और 10 एमएलडी और 5 एमएलडी क्षमता वाले अन्य 2 सीएसटीपी के उपचारित जल को आयड नदी में प्रवाहित किया जाता है। याने कि 45 एमएलडी पानी तो जिंक पाइपों से ले जाता है जबकि बाकी बचा उपचारित जल 15 एमएलडी आयड़ नदी में ही पहले से बह रहे गंदी पानी में मिला दिया जाता है। सामान्य भाषा में समझे तो आयड़ में बहते हुए पानी में से सारे पानी का उपचार नहीं होता क्योंकि इसके लिए उतनी संख्या में फिल्टर प्लांट हीं नहीं हैं। जो चार फिल्टर प्लांट हैं उसमें से दो का पानी जिंक ले जाता है जबकि दो का पानी उपचारित होने के बाद फिर से नदी की उस धारा के साथ बहा दिया जाता है जो पहले से प्रदूषित है। यह बात भी हमारे नेताओं को पता है लेकिन उनकी प्राथमिकताओं में फिल्टर प्लांट की जगह आयड़ के 75 करोड़ के सौंदर्यीकरण के काम हैं। प्रश्न के उत्तर में सांसद को बताया गया कि अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) 2.0 के अंतर्गत सीवर लाइन बिछाने के कार्य हेतु 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उदयपुर में 40 परसेंट पीने के पानी की हो रही है चोरी

नई दिल्ली स्थित "डवलपमैंट अल्टरनेटिव्स" नामक स्वयंसेवी संस्था ने जर्मनी की एक संस्था "हेनरिच बॉल फाउँडेशन" के सहयोग से सन् 2018 में उदयपुर की जल प्रणाली पर अध्ययन किया। उसके बाद एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसके अनुसार जलदाय विभाग 7.85 करोड़ लीटर पानी विभिन्न झीलों से और 0.50 करोड़ लीटर पानी कुओं बावड़ियों से, याने कि कुल 8.35 करोड़ लीटर पानी हर रोज लेता है। इसमें से ो 7.84 करोड़ लीटर पानी को विभिन्न फिल्टर प्लांटों में उपचारित किया जाता है और शेष को सीधा वितरित कर दिया जाता है क्योंकि गुणवत्ता ठीक मानी जाती है । उपचारित पानी में से 3.35 करोड़ लीटर (कुल उठाव का 40 प्रतिशत) पानी का हिसाब जलदाय विभाग के पास नहीं है। यह पानी या तो पाइप लाइनों से रिस जाता है या फिर बिना वैध कनेक्शन के लोग चोरी कर लेते हैं । यदि मानें कि सन् 2018 में कुल उठाए गये 8.35 करोड़ लीटर पानी की तुलना में 6 साल बाद अभी 2024 में पानी का उठाव 6 प्रतिशत बढ़ा होगा तो अभी 9.18 करोड़ लीटर पानी जलदाय विभाग उठा रहा है। जलदाय विभाग की व्यवस्था बाहरी कॉलोनियों व कॉम्प्लेक्सों में अब तक नहीं हैं। इस कारण उदयपुर की करीब 20 प्रतिशत आबादी खुद के बोर-वैल से पानी लेती है। उदयपुर की कुल वर्तमान आबादी लगभग 6 लाख है तो खुद के संसाधनों से पानी लेने वाली आबादी 1.20 लाख हुई और 100 लीटर प्रति व्यक्ति खपत मानें को पानी की मात्रा 120 लाख या 1.20 करोड़ लीटर हुई । इस आधार पर उदयपुर के लिये पानी का कुल उठाव 10.38 करोड़ लीटर प्रतिदिन हुआ । इस पानी का अनुमानतः 80 प्रतिशत पानी यदि सीवेज में बदले तो आयड़ नदी तक प्रतिदिन लगभग 8.3 करोड़ लीटर पानी सीवेज के रूप में पहुँचता है ।

डेढ़ करोड़ लीटर उपचारित पानी बहा दिया जाता है

जल शक्ति मंत्रालय ने लोक सभा सांसद मन्ना लाल रावत के अतारांकित प्रश्न संख्या 602 के दिनांक 28.11.2024 को दिये गये उत्तर में बताया गया है कि उदयपुर में चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं जिनकी जल शोधन क्षमता 6 करोड़ लीटर प्रतिदिन है । इसी उत्तर में राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के हवाले से यह कहा गया है कि 6 करोड़ लीटर उपचारित पानी में से 4.5 करोड़ लीटर उपचारित पानी हिंदुस्तान जिंक ले जाता है और शेष 1.5 करोड़ लीटर पानी आयड़ नदी में बहा दिया जाता है जो उदयसागर पहुँचता है। उत्तर में यह भी स्वीकार किया गया है कि आंशिक संशोधित व असंशोधित पानी भी आयड़ नदी में छोड़ा जाता है । अब बड़ा सवाल यह उठता है कि ऊपर दिये आंकलन के अनुसार 8.3 करोड़ लीटर सीवेज में से 6 करोड़ लीटर का तो उपचार हो रहा है और शेष 2.3 करोड़ लीटर सीवेज अनुपचारित स्थिति में ही आयड़ नदी व इसके मार्फत उदयसागर में प्रवाहित हो रहा है ।

संपादकीय : आंदोलन पर किसान

किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार ये दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं। विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती। गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं। दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में शीघ्र निर्णय किया जाएगा और किसानों ने धरना वापस ले लिया था। मगर अब तक उस दिशा में कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। इस वजह से कई बार पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच को निकल चुके हैं, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को शक्ति प्रदर्शन करना पड़ा। अपनी समस्याओं को लेकर मांग उठाना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। मगर सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनकी मांगों पर संजीदगी दिखाएं। दोनों के बीच जब-तब जोर आजमाइश की कोशिशों से आखिरकार आम लोगों को नाहक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए कोई पारदर्शी और व्यवहारिक तंत्र क्यों नहीं बनना चाहिए?

धमकी का अर्थ

किसी भी देश में सत्ता बदलने के साथ उसकी नीतियों में बदलाव आना हैरानी की बात नहीं है, लेकिन इस बार अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। हालांकि ट्रंप आधिकारिक रूप से जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालेंगे, मगर पिछले कुछ दिनों से वे जिस तरह के बयान दे रहे और अपनी सरकार गठन को लेकर जो तस्वीरें पेश कर रहे हैं, उससे साफ है कि वे इस बार बहुत कुछ नया करने जा रहे हैं। अपने एक ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी डालर को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसे अमेरिका में कारोबार के लिए सौ फीसद शुल्क की नीति का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के निशाने पर मुख्य रूप से ब्रिक्स समूह के नौ देश हैं। उनके बयान को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। सवाल है कि औपचारिक रूप से सत्ता संभालने के पहले ही ट्रंप का ऐसा आक्रामक रुख क्यों सामने आने लगा है। आर्थिक मामलों पर उभरे गतिरोध अलग-अलग देशों के साथ सहयोग आधारित नीतियों के जरिए और सहमति के आधार पर दूर किए जाते हैं या आक्रामक नीतियां लागू करने की धमकी से ? इसमें कोई दोराय नहीं कि अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस क्रम में ब्रिक्स देश और खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डालर के विकल्प के रूप में अपनी नई मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इसे अमेरिका अपने डालर और इस तरह अपनी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मान रहा है और इस स्थिति में वह ब्रिक्स देशों को अपने यहां व्यापार बाधित करने की चेतावनी दे रहा है। ट्रंप की चिंता अमेरिका के हित में हो सकती है, लेकिन अगर आर्थिक मसले पर दुनिया बहुध्रुवीय और वैकल्पिक रास्ते तलाशती है, तो अमेरिका को इसके कारणों पर विचार करना चाहिए। नए विश्व में एकाधिकार का रास्ता शायद किसी भी देश के हित में नहीं होगा।

श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज का संभाग स्तरीय युवा सम्मेलन 5 जनवरी को होगा आयोजित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज का संभाग स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन भीलूड़ा सागवाड़ा मे 5 जनवरी 2025 को आयोजित होगा संभागीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद पांडे ने बताया कि श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज के करीब 90 गावों में निवासरत युवाओं का यह विशाल सम्मेलन का आयोजन त्रिमेस सर्वोदय समिति भीलूड़ा के तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य समाज की युवा प्रतिभाओं को समाज की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देकर उनको समाज में अपना उत्कृष्ट योगदान देने व उनको एक प्लेटफार्म पर लाकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करना रहेगा

झोली की एम्बुलेंस में गंभीर रोगी और गर्भवती के जीवन की डोर



24 न्यूज अपडेट

सलूंबर । एक ओर जहां राज्य व केंद्र सरकार की ओर से गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में सड़क निर्माण के दावे किए जाते हैं। वहीं, आदिवासी बहुल इलाकों के हालात आज भी बदतर है। बात कर रहे हैं सलूम्बर जिले के सराड़ा पंचायत समिति की कलात ग्राम पंचायत की। जहां आजादी के 77 वर्ष बाद भी पक्की सड़क नहीं है। हाल ये है कि कोई बीमार हो या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना हो तो झोली ही सहारा है। सड़क के अभाव में अस्पताल पहुंचाने में समय अधिक लगता है और मरीज की मौत तक हो जाती है। लोगों को 10-15 किमी. पैदल चलने के बाद सड़क नसीब होती है। उसके बाद बीमार या गर्भवती को चावंड, झाडोल, देवपुरा, जावर माइंस या चणावदा के अस्पताल पहुंचाया जाता है। मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से यहां के निवासियों का संपर्क अन्य गांवों से नहीं हो पाता। ग्राम पंचायत कलात का पूरा क्षेत्र पहाड़ीनुमा है। कुछ दिनों पूर्व उदयपुर सांसद ने करीब छह किमी. पैदल चलकर पूरे क्षेत्र का दौरा किया। जहां कहीं भी सड़क नजर नहीं आई। पंचायत में करीब 2700 लोग निवास करते हैं। जिनमें कलात फला, घोड़ा फला, राता खेत फला, ऐडा धावड़ा, हल्दुदरा, पुनावली, गोटा पानी, बामनिया, बुज फला, सुखा मुडा, तीखा फला, राणा कुडी घाटी, मोरिया भाटडा, खाखादरा फला सहित कई फलों में लोग रहते हैं।

विधायक आक्या ने टीम के साथ देखी ''द साबरमती रिपोर्ट''



24 न्यूज अपडेट

ओम जैन शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने मंगलवार को कार्यकर्ताओ के साथ ''द साबरमती रिपोर्ट'' फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद विधायक आक्या ने कहा कि 27 फरवरी 2002 को हुए गोधरा कांड की सच्चाई से आज भी देश की अधिकांश जनता अनभिज्ञ थी। साबरमती ट्रेन जलाने की जघन्य घटना को ''द साबरमती रिपोर्ट'' फिल्म के माध्यम से उजागर किया गया है। इस अवसर पर बद्रीलाल जाट, सुरेश झंवर, सुशील शर्मा, भरत जागेटिया, कर्नलसिंह राठोड़, तेजपाल रेगर, भंवरसिंह खरड़ी बावड़ी, दिनेश शर्मा, पवन आचार्य, रोहिताश जाट, अनिल ईनाणी, ओमप्रकाश शर्मा, शेलेन्द्र झंवर, लाला गुर्जर, नवीन पटवारी, भोलाराम प्रजापत, सुदर्शन रामपुरिया, कमलेश आमेरिया, प्रकाश भट्ट, चुन्नीलाल माली, सतपाल दुआ, बालकिशन भोई, गोपाल गंवारिया, शिवराज सिंह बैजनाथिया, मोनु सलुजा, रामप्रसाद बगेरवाल, राजेष पोखरना, अनिल मीणा, शिवशंकर मेनारिया, मोनु सलुजा, राजन माली, विनित तिवारी, नंद लाल रेगर, रेशमा कहार, ललीता वीरवाल, विमला गटयानी, रेखा, रेणु मिश्रा, मीनुकंवर सोलंकी, प्रदीप बोहरा, राजन माली, फतहलाल भड़कतिया, गिरीश दीक्षित, गणेश भोई, राजेश मोची, राजु कुमावत, पिंटु मोदी, शिवप्रकाश गटयानी, गोपाल नीलमणी, हंसराज सुहालका, मृदुल जोषी, मोनु सोनी, गोपाल जाजू, सत्यनारायण वैष्णव, रामनरेश गाडरी, अर्जुन गील, नाना लाल मेनारिया, दिनेष बंजारा, योगेश सोनी, दिपक वर्मा, रवि बैरागी, ओम लोठ, अनिल काबरा, विक्रम सिंह, हर्षद दषोरा, मनोहर वैष्णव, विषाल रजक, पिनू मेनारिया, गोपाल भांबी, अनिल तम्बोली, दिलीप बेनीवाल, गोपाल शर्मा, चिरंजीव सोलंकी, विक्रम गंवारिया, उदयलाल धाकड़, कुलदीप शर्मा, भारतसिंह राजोरा, रमेष रामचंदानी, भागीरथ मालवीय, राजेन्द्र सुराणा, संजय सिसोदीया, नारायण भोई, सुरेश भोई, गणेश प्रजापत, विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने दिलाई सभी सात नव निर्वाचित विधायकों को विधानसभा सदस्य पद की शपथ

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 3 दिसम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा उपचुनाव में निर्वाचित हुए सभी सात विधायकों को अपने कक्ष में विधानसभा सदस्य पद की शपथ दिलायी। सभी विधायकगण ने हिंदी भाषा में विधानसभा सदस्य पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने नव निर्वाचित विधायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विधायक सदन की गौरवमयी परम्परा, गरिमा, और मर्यादा का अनुपालन करें। समारोह में श्रीमती शांता अमृतलाल मीणा ने सलूंबर से, श्री सुखवंत सिंह ने रामगढ़ से, श्री राजेंद्र भाम्बू ने झुंझुनूं से, श्री अनिल कुमार कटारा ने चौरासी से, श्री रेवंतराम डांगा ने खींवसर से, श्री राजेंद्र गुर्जर ने देवली उनियारा से एवं श्री दीनदयाल ने दौसा विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होने पर विधानसभा सदस्य पद की शपथ ली।





युवती की मौत के दूसरे दिन हुआ समझौता:मुआवजे के लिए ढाई लाख रुपए दिए जाएंगे, पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ के सेंट पॉल स्कूल के परिसर में बने स्टॉफ क्वार्टर में हुई युवती के मौत के दूसरे दिन परिजनों का स्कूल प्रशासन के साथ समझौता हो गया। सुबह उदयपुर जिले के झाड़ोल गांव से युवती के परिवार जन चित्तौड़गढ़ पहुंचे। परिवार ने स्कूल प्रशासन से पहले 50 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर मांगे। कई घंटों की बातचीत के बाद स्कूल प्रशासन ढाई लाख रुपए देने पर राजी हो गए। इसके बाद युवती के शव का पोस्टमार्टम किया गया। बता दें कि युवती की लाश संदिग्ध हालत में सीढ़ियों में पड़ी मिली थी। मामला सदर थाना क्षेत्र का है। रात को लाया गया शव को मोर्चरी में निंबाहेड़ा रोड स्थित सेंट पॉल स्कूल के परिसर में बने स्टाफ क्वार्टर में सोमवार को कुक झाड़ोल, उदयपुर निवासी रीना (22) पारगी की लाश दूसरी मंजिल पर मिली थी। सीढ़ियों पर मिली युवती के गले में नायलॉन की रस्सी बंधी हुई थी। पुलिस और स्टॉफ इसे सुसाइड मान रहे हैं। सदर पुलिस ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। रात को FSL ने सबूत जुटाए। शव को भी रात को हॉस्पिटल के मोर्चरी में लाया गया। परिजन सुबह चित्तौड़गढ़ पहुंचे।

थानाधिकारी के आने के बाद हुआ समझौता मौके पर सदर पुलिस भी हॉस्पिटल पहुंची। परिजनों ने स्कूल प्रतिनिधियों के सामने 50 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर मांगे लेकिन स्कूल स्टॉफ नहीं माना। पुलिस ने भी सभी को समझाने की कोशिश की, लेकिन वार्ता फेल रही। दोपहर करीब 12:50 बजे सदर थानाधिकारी गजेंद्र सिंह भी हॉस्पिटल पहुंचे और परिजनों को समझाया। परिजनों और स्कूल के बीच मध्यस्थता करवाई गई। आखिर में ढाई लाख रुपए देने की बात पर समझौता हुआ। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

ओपीएस उल्टे पांव : विभाग का आदेश, जमा अंशदान वापस लेने का विकल्प दिया



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लेने के लिए आवेदन पत्र भरवाकर अंशदान की राशि जिनसे ली गई थी उनमें से कई कर्मचारी अब भी पेंशन आने का इंतजार कर रहे हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि. ने पिछले महीने आदेश जारी करके जमा अंशदान वापस लेने का विकल्प कर्मचारियों और उनके परिजनों को दिया है। इससे खलबली मच गई है। निगम ने पिछले महीने आदेश जारी करके विभाग के पुराने आदेशों (ओपीएस से संबंधित) को स्थगित करते हुए कर्मचारियों से जमा रकम को वापस लेने का विकल्प दिया है। जमा रकम बकायदा ब्याज सहित वापस दी जाएगी। जब से राशि जमा करवाई है, तब से अब तक का ब्याज दिया जाएगा। राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम के करीब 20 कर्मचारी ऐसे है, जिन्होंने पिछले साल अंशदान की राशि जमा करवाकर ओपीएस का विकल्प लिया था। तब से अब तक निगम ने इन कर्मचारियों को पीपीओ जारी नहीं किए। रिटायरमेंट के बाद ओपीएस की जगह एकमुश्त बेनीफिट्स देने के ज्यादातर मामले निगम और बोर्ड (स्ववित्त पोषित संस्थाओं) में सामने आए है। बिजली, रोडवेज, वित्त निगम, रीको, डेयरी सहित कई निगमों के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन के बजाए सरकार ने एकमुश्त राशि दी थी। इस कारण इन निगमों से जुड़े ज्यादातर कर्मचारियों ने ही अंशदान की राशि जमा करवाई थी।

पीपीओ जारी, लेकिन पेंशन शुरू नहीं

पिछले साल पैसा जमा करवाने के बाद कुछ निगमों और बोर्ड ने कुछ कर्मचारियों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) जारी कर दिए और उनकी पेंशन भी शुरू हो गई। कुछ कर्मचारियों के पीपीओ जारी करने के बाद भी आज दिन तक पेंशन शुरू नहीं हुई। राजस्थान वित्त निगम में भी कुछ ऐसे ही मामले है।

बालमुकुंद आचार्य बोले-कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां सनातनियों के साथ नहीं



24 न्यूज अपडेट

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में मंगलवार को जयपुर के बड़ी चौपड़ पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में महामंडलेश्वर मनोहर दास महाराज, आचार्य विष्णु नागा, बसंतानंद महाराज, विधायक बालमुकुंद आचार्य, शनि धाम से रंधावा महाराज, सोमेंद्र महाराज, साधवी शिखा शिखर सहित बड़ी संख्या में साधु संत मौजूद रहे।

प्रदर्शन में शामिल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा-कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां सनातियों के साथ नहीं। उन्होंने कहा ये जिहाद नहीं चलेगा और इनका जवाब देने के लिए करोड़ों सनातनियों की सेना तैयार है।

विधायक बोले- जरूरत पड़ी तो हम बांग्लादेश भी जाएंगे

बालमुकुंद आचार्य बोले- हमारी इस्कॉन की संस्था शिक्षा का काम कर रही है। वहां पर जरूरतमंदों को भोजन और कपड़ों की सेवा का काम कर रही है। आज इस्कॉन जैसी संस्था और संतो को जिस तरीके से प्रताड़ित किया जा रहा है, वह बर्दाश्त से बाहर हो चुका है। आज प्रतिकार के रूप में हम लोग इक्ट्ठा हुए है और आगे जरूरत पड़ी तो हम अपनी बात जयपुर से दिल्ली तक पहुंचाएंगे। इतना ही नहीं जरूरत पड़ी तो हम बांग्लादेश भी जाएंगे।

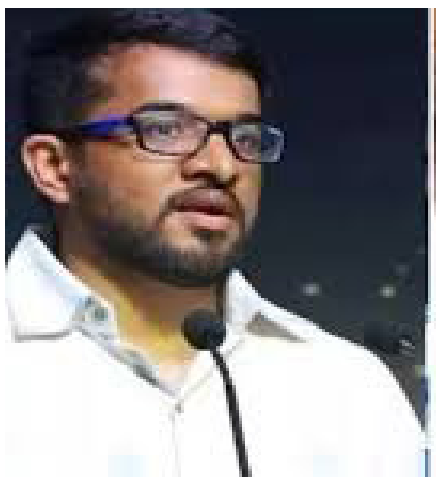
वे बोले- बांग्लादेश के जिहादी लोग है जो ऐसा कृत्य कर रहे हैं, उनको हम यहां से चेतावनी देना चाहते है कि आज हजारों की संख्या में सनातनी है। ये जिहाद अब नहीं चलेगा। ये जिहादी किस्म के लोग अब बर्दाश्त नहीं होंगे। इस प्रकार की मानसिकता वाले लोग जो दूसरे लोगों को बर्दाश्त नहीं करते, इस प्रकार के लोग अब नहीं चलेंगे। उन्होंने कहा-अब ये जिहादी लोग इस तरीके की हरकतें करना बंद कर दें, अन्यथा ये सभी सनातनी, भगवा हिंद की फौज तैयार खड़ी हो गई है खुद मुकाबला करने के लिए। आज हम लोग बड़ी चौपड़ पर सिर्फ एक सूचना के रूप में इकट्ठे हुए कि हम बांग्लादेश में रह रहे सनातनियों के साथ खड़े है। आगे जरूरत पड़ी तो हम बांग्लादेश की ओर भी बढ़ जाएंगे।

'राजस्थान यूथ आइकॉन अवार्ड' के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 3 दिसंबर। प्रदेश में 12 जनवरी 2025 को यूथ डे के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को 'राजस्थान यूथ आइकन अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा। अवार्ड के लिए विभाग द्वारा आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि अवार्ड के लिए प्रदेश के 15 वर्ष से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवा, जो कला व संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान तकनीकी,संचार एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि, पर्यावरण,उद्यमिता,महिला सशक्तिकरण तथा स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य कर रहें हैं, वे राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट https://youthboard.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यूथ आइकॉन पुरस्कार से संबंधित दिशा निर्देश, नियम एवं शर्तें भी राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा- 2024-25 के तहत 12 जनवरी को यूथ डे के अवसर पर प्रदेश में राष्ट्रीय युवा महोत्सव की तर्ज पर 'राज्य युवा महोत्सव'आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा पुरस्कार की तरह प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को 'यूथ आइकन अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा।

बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु उदयपुर में शादी करेंगी, कंपनी के डायरेक्टर के साथ 22 दिसंबर को लेंगी फेरे, 3 दिन चलेंगे फंक्शन





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर एक बार फिर बड़े सेलिब्रिटी की शादी का गवाह बनने वाली है। देश के लिए दो बार ओलिंपिक मेडल जीतने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु अपनी शादी उदयपुर में करने वाली हैं। पीवी सिंधु 22 दिसंबर को पोसीडेक्स टेक्नोलॉजीस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर वेंकट दत्ता के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। फंक्शन 20 दिसंबर से शुरू हो जाएंगे। 3 दिन शादी की रस्में होंगी। 24 दिसंबर को हैदराबाद में रिसेप्शन होगा। एक महीने पहले परिवार ने शादी की फाइनल सिंधु के पिता पीवी रमन ने कुछ दिन पहले कहा था, 'दोनों परिवार लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। सिंधु का जनवरी से कार्यक्रम काफी काफी व्यस्त रहने वाला है, जिसको देखते हुए शादी के लिए यही समय सही लगा। एक महीने पहले ही शादी फाइनल हुई है।' कौन है सिंधू के होने वाले पति वेंकट ने फाउंडेशन ऑफ लिबरल एंड मैनेजमेंट एजुकेशन से लिबरल आर्ट्स एंड साइसेंज/लिबरल स्टडीज में डिप्लोमा किया है। उन्होंने 2018 में फ्लेम यूनिवर्सिटी ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से अपना बीबीए अकाउंटिंग एंड फाइनेंस पूरा किया। इसके बाद इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बंगलौर से डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग में मास्टर्स डिग्री पूरी की।

रामसिंह हत्याकांड : एसपी ने 7 नवंबर को कहा था 10 दिन में कार्रवाई करेंगे, अब तक नहीं हुई तो पुलिस की ढिलाई पर फूटा आक्रोष, 10 को बड़े आंदोलन की चेतावनी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। रामसिंह हत्याकांड में पुलिस की जांच में ढिलाई पर आक्रोष जताते हुए आज उदयपुर कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। बताया यगा कि 26 अक्टूबर को पुलिस थाना ओगणा तहसील झाडोल क्षेत्र में खांबिया निवासी राम सिंह पुत्र माधु सिंह जाति राजपूत एवं धर्मपत्नी कंकु कुंवर पर मध्यरात्रि अज्ञात हमलावर धारदार हथियार लेकर आए और उन पर हमला कर दिया जिससे राम सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई एवं धर्मपत्नी कंकु कुंवर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसकी सूचना पुलिस थाना ओगणा को दी जिस पर पुलिस मौके पर आई और मृतक को उप स्वास्थ्य केन्द्र, गोगुन्दा के मौर्चरी में रखवाया गया एवं घायल कंकु कुंवर को महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय, उदयपुर में भर्ती करवाया गया। जिसकी कार्यवाही को लेकर पुलिस थाना ओगणा में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें शक सुबा व्यक्तियों का नाम दर्ज करवाया गया जिस पर पुलिस ने शक सुबा व्यक्तियों को गिरफ्तार करके थाना ओगणा लेकर गये, पूछताछ की, किन्तु अभी तक रामसिंह हत्याकांड का कोई सुराग नही मिल पाया है एवं न ही कोई कार्यवाही की गई है एवं परिजन तथा क्षेत्रवासियों में भय का माहोल बना हुआ है। इस प्रकरण को लेकर क्षेत्रवासियों एवं ग्रामीणों ने 7 नवंबर को पुलिस अधीक्षक उदयपुर को एक ज्ञापन दिया था, जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने 10 दिन का आश्वासन दिया कि जल्द ही खुलासा कर दिया जायेगा एवं उक्त मुल्जिमों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। उस बात को लेकर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नही हुई है। मृतक राम सिंह की धर्मपत्नी कंकु कुंवर द्वारा बयान दिया गया कि हत्यारे की पहचान बताने पर भी पुलिस ने कोई संतोषजनक कार्यवाही नही की है। अतः एसपी से निवेदन किया गया कि जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाये अन्यथा क्षेत्रवासी एवं ग्रामीण व श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, मेवाड़ की ओर से 10 दिसंबर को पुलिस थाना ओगणा का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा एवं रोड़ जाम किया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

आमजन में भय : बस स्टैंड पर कटी कॉन्स्टेबल की जेब



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. चित्तौड़गढ। आजकल चोरों के हौसल सातवें आसमान पर पहुंच गए हैं। पहले केवल आम आदमी शिकार होता था मगर आजकल तो यह पुलिस वालों पर हाथ डालने से भी नहीं हिचक रहे हैं। डर खत्म सा हो गया है। बीती रात भीलवाड़ा एसपी ऑफिस में तैनात एक कांस्टेबल की ही जेब कट गई। कांस्टेबल अपने परिवार के साथ चित्तौड़गढ़ के पांडोली स्थित झांतला माता मंदिर में दर्शन करने आए थे। बताया गया कि वापस भीलवाड़ा आते समय जब कांस्टेबल साहब रोडवेज बस में बैठे। इसी दौरान किसी ने पर्स मार लियां इसके बाद रोडवेज बस स्टैंड के सामने कोतवाली थाने में जानकारी दी गई। पुलिस आई व सभी सवारियों और उनके सामानों की तलाशी ली लेकिन पर्स का पता नहीं चला। बताया गया कि भीलवाड़ा एसपी ऑफिस में तैनात कॉन्स्टेबल प्रहलाद अपने परिवार के साथ रविवार को पांडोली स्थित झांतला माता मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। बस में अचानक पता चला कि पेंट की पिछली जेब में रखा पर्स गायब है। ड्राइवर ने तुरंत रोडवेज बस स्टैंड के सामने स्थित कोतवाली थाने को बताया। पुलिस आई मगर तब तक चोर अपना काम करके जा चुका था। पर्स में लगभग ढाई हजार रुपए और अन्य काड्र्स, डॉक्यूमेंट्स भी थे।

जादूगर आंचल का मैजिक शो का शुभारंभ 4 दिसम्बर से

सोमवार से शुक्रवार एक शो व शनि, रवि को होंगे तीन-तीन शो



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित, लिम्का बुक एवं द बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर लेकसिटी की रहने वाली विश्व विख्यात जादूगर आंचल एक बार फिर शहरवासियों के लिए मैजिक शो लेकर आई हैं। जादूगर आंचल का मैजिक शो 4 दिसम्बर से शुरू होने जा रहा हैं। इस मैजिक शो का उद्घाटन उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा व जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल करेगें। मंगलवार को लेकसिटी में प्रेस वार्ता में जादूगर आंचल ने अपने 27 साल के लम्बे अनुभवों को पत्रकारों के साथ साझा करते हुए बताया कि जब वह साढे चार साल की थी तब उन्होंने पहला शो अपने स्कूल के वार्षिकोत्सव में किया था। जब भी वह अपने शहर लेकसिटी में मैजिक शो लेकर आती है तब वह हमेशा नए कार्यक्रम प्रस्तुत करती है ताकि शहरवासियों का उन्हें प्यार मिल सकें। उन्होंने बताया कि अब तक भारत देश के 17 राज्यों एवं दुनिया के 7 देशो में करीब साढे चौदह हजार स्टेज शो कर चुकी हैं जादूगर आंचल ने सुखाड़िया यूनिवर्सिटी से साइकोलॉजी में एम.ए. किया हैं। जादूगर आंचल ने बताया कि इस बार मैजिक शो के स्थान में परिवर्तन कर फतहपुरा चौराहे के समीप दक्ष होंडा के पीछे हॉल में होगा। जादूगर आंचल का सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन एक शो एवं शनिवार व रविवार को तीन शो होगें। उद्घाटन समारोह में सम्माननीय अतिथि के रूप में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, देहात जिलाध्यक्ष चन्द्रगुप्त सिंह चौहान, डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, महंत इन्द्रदेव दास, महंत अमर गिरी महाराज, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर वार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा, नारायण सेवा संस्थान के फाउंडर कैलाश मानव, एमबी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आर एल सुमन मौजूद रहेंगे।

हैरतअंगेज मनोरंजन एवं हंसी से भरपूर 2 घंटे :

जादूगर आंचल भारत की पहली एकमात्र जादूगर है जिसने अमेरिका की प्रतिष्ठित मैगजीन "वैनिश" के कवर पेज पर स्थान पाया है इसमें एक दिन में आंचल की जादुई यात्रा को दुनिया भर के जादूगरों के लिए प्रेरणादायक मानते हुए 8 प्रष्ठो में कवरेज देकर भारत की इस कला को सम्मान दिया है। वर्तमान में टीवी और मोबाइल के इस युग में एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज मनोरंजन एवं हंसी से भरपूर 2 घंटे का स्वास्थ्य मनोरंजन देकर पूरे परिवार को एक साथ खुशियां देने में सफल होने वाली लेकसिटी की जादूगर आंचल का शो पूरी तरह से हैरतअंगेज रहने वाला हैं।

हाईवे पर राहगीरों को लूटने वाले 7 गिरफ्तार

8 वारदातें कबूल की, कई और वारदातों का खुलासा होने की संभावना



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा.जिले के सदर थाना इलाके में हाइवे से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को डरा धमकाकर लूट करने वाली गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर 8 वारदातों का खुलासा करने में सफलता हासिल की है। सदर थानाधिकारी बुधाराम बिश्नाई ने बताया कि विगत कई दिनों से क्षेत्र में कई स्थानों पर लूट की वारदातें हो रही थी। सूचना व तकनीकी सहायता के आधार पर जेल के पास मदारेश्वर रोड निवासी अनिल उर्फ अन्ना पुत्र कांतिलाल खराड़ी, खांदू श्रीराम कॉलोनी बांसवाड़ा हाल लक्ष विहार कॉलोनी ठीकरिया निवासी हितेश पुत्र अरविंद तीरगर, काकनसेजा निवासी राजेश पुत्र प्रभुलाल चरपोटा उटियापण निवासी सुनील पुत्र हरीश मईड़ा, गणेश पुत्र कांतिलाल मईड़ा, परमेश पुत्र नारायण, प्रकाश पुत्र नाथू मईड़ा को पकड़ कर पूछताछ करने पर उन्होंने वारदात करना स्वीकार किया। इन वारदातों के अलावा भी करीब दर्जनों छोटी मोटी लूट व चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। इस खुलासे में कॉन्स्टेबल मुकेश चौधरी, हेड कॉन्स्टेबल प्रकाश बिश्नोई, कोतवाली में कार्यरत एएसआई गोविंद पाटीदार की विशेष भूमिका रही। एसआई रामलाल, एएसआई रमेशचंद्र, महेंद्र कुमार, परीक्षित, हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र सिंह, दिगपाल सिंह, कॉन्स्टेबल गौरव, राहुल व साइबर सेल की भूमिका रही।

नगर निगम ऑफिस में कचरा डालकर बना दिया डंपिंग यार्ड:मेयर चैंबर के गेट पर कूड़ा लटकाया, मेन गेट पर ताले लगाए; सफाईकर्मी भर्ती पर हंगामा



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में सफाईकर्मी भर्ती को लेकर वाल्मीक समाज के लोगों ने हंगामा कर दिया है। मंगलवार सुबह 10 बजे डंपिंग यार्ड में खड़े कचरे से भरे ट्रकों को सफाई कर्मचारी नगर निगम ऑफिस ले आए और निगम में चारों तरफ कचरा फैला दिया। इसके बाद नगर निगम में काम कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर निकालकर दोनों मुख्य दरवाजों पर ताला लगा दिया। वाल्मीकि समाज के लोगों ने सफाई कर्मी भर्ती को निरस्त करने की मांग की है। उनका आरोप है कि भर्ती के लिए बना पोर्टल बंद कर दिया गया है, जबकि अनुभव प्रमाण पत्र देने में देरी की गई। पूर्व पार्षद बोले- यह वाल्मीकि समाज के साथ कुठाराघात पूर्व पार्षद राजकुमार घावरी ने बताया- राज्य सरकार की ओर से सफाई कर्मचारियों के लिए भर्ती निकाली गई थी। इसके लिए भीलवाड़ा में नगर परिषद भर्ती कमेटी बनाई गई। कमेटी ने वाल्मीकि समाज के साथ कुठाराघात किया है। उन्होंने कहा- 1 नवंबर से 27 नवंबर की रात 2 बजे तक कमेटी अभ्यर्थियों से दस्तावेज लेकर शपथ पत्र बनाती रही। साइन कराए,अंगूठे लगाए। 27 नवंबर की रात 12 बजे पोर्टल बंद हो गया। 28 नवंबर की सुबह कह दिया कि सभी अनुभव प्रमाण पत्र निरस्त किए जाते हैं। राजकुमार घावरी ने कहा- कमेटी ने वाल्मीकि समाज को मूर्ख बनाया। जयपुर में सफाई कर्मी भर्ती निरस्त हो गई है, ऐसे में यहां भी पूरी भर्ती को निरस्त किया जाए। स्थानीय 500 लोगों को संविदा पर लगाया जाए और बाद में उनको परमानेंट किया जाए। हम अधिकारियों-कर्मचारियों को अंदर नहीं बैठने देंगे सफाई मजदूर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामदेव चन्नाल ने बताया- यह विरोध प्रदर्शन जिला प्रशासन के खिलाफ है। राज्य सरकार की सफाई कर्मी भर्ती प्रक्रिया में वाल्मीकि समाज के साथ अन्याय किया जा रहा है। भर्ती के लिए जरूरी अनुभव प्रमाण पत्र जमा कराने की बारी आई तो पोर्टल को बंद कर दिया। उन्होंने कहा- भर्ती के लिए हमने सभी तरह के दस्तावेज जमा कराए थे। हमें रोजगार कैसे मिलेगा, लिस्ट में हमारा नाम नहीं है। हमारे लिए दरवाजे बंद कर दिए हैं। हमें पंगु बना दिया है। भीलवाड़ा का वाल्मीकि समाज कमजोर नहीं है। रामदेव चन्नाल ने बताया- पूरे प्रदेश में वाल्मीकि समाज के अलावा दूसरा कोई समाज सफाई का काम नहीं करता। हमें सफाई के काम से ही दूर क्यों किया जा रहा है। नगर निगम के सभी यूनियन हमारे साथ हैं। आज हमने काम बंद किया है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।